भाश्रीअनुसं

क्रम सं. 244 फरवरी, 2024

श्री अन्न

समाचार पत्र

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल * बाड़मेर

भाकृअनुप—भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

भाश्रीअनुसं का स्थापना दिवस समारोह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 9 फरवरी, 2024 को अपना "9वां स्थापना दिवस" मनाया। डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन तेलंगाना की माननीय राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। डॉ. एस एल मेहता, भूतपूर्व उप महानिदेशक (शिक्षा), भाकृअनुप, भूतपूर्व कुलपति, मप्रकृप्रौविवि, उदयपुर तथा डॉ. जैकलीन डी 'एरोस ह्यूज, महानिदेशक, इक्रिसेट सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। हैदराबाद स्थित विभिन्न भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, भाश्रीअनुसं के भूतपूर्व निदेशक डॉ. एन सीतारमा तथा भूतपूर्व कार्यकारी निदेशक डॉ. सी वी रत्नावती ने भी इस अवसर पर समारोह की शोभा बढ़ाई।

प्रारंभ में, डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने अपने स्वागत भाषण में, संस्थान की ऐतिहासिक भूमिका एवं भावी पृष्ठभूमी पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 के दौरान संस्थान में संपन्न विभिन्न गतिविधियों और श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रोडमैप के बारे में जानकारी प्रदान की।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन, तेलंगाना की माननीय राज्यपाल ने दैनिक जीवन में स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों के रूप में श्री अन्न के महत्व तथा श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के समर्थन पर प्रकाश डाला। डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने भाश्रीअनुसं, प्रगतिशील किसानों, श्री अन्न उद्यमियों द्वारा समर्थित श्रेष्ठ किउसं को पुरस्कार और स्मृति चिह्न वितरित किए और भाश्रीअनुसं के श्रेष्ठ कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए तथा क्यूआरटी के अध्यक्ष और आरएसी के सदस्य के रूप में भाश्रीअनुसं को सहायता प्रदान करने हेतु डॉ. एस एल मेहता को सम्मानित किया। समारोह से पहले, राज्यपाल ने भाश्रीअनुसं के न्यूट्रीहब में सभी श्री अन्न प्रसंस्करण इकाइयों, श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र, स्टार्टअप और ऊष्मायन सुविधाओं का भी दौरा किया।

डॉ. जैकलिन ह्यूज ने अपने संबोधन में न्यूनतम आगत के साथ लाखों श्री अन्न किसानों के राजस्व को बढ़ाने के लिए

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और इक्रिसेट के बीच सहयोग को मजबूत करने के संबंध में चर्चा की। डॉ. एस एल मेहता, भूतपूर्व महानिदेशक (शिक्षा), भाकृअनुप ने भारत में श्री अन्न अनुसंधान पर एक संक्षिप्त संबोधन दिया।

डॉ. जैकलीन ह्यूज और डॉ. एस एल मेहता ने सभी श्रेणियों के कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर, "अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 के दौरान भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा संचालित श्री अन्न गतिविधियां", "भारत में श्री अन्न सुधार" तथा "भारत में श्री अन्न के पंजीकृत आनुवंशिक भंडार" नामक तीन पुस्तकें विमोचित की गईं। इसके अलावा भाश्रीअनुसं के शोध अध्येताओं, छात्रों और कर्मचारियों ने कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

शोध छात्रों हेतु अनुसंधान सुविधा प्रशिक्षण

एसईआरबी-डीएसटी परियोजना की वैज्ञानिक सामाजिक दायित्व गतिविधि के अंतर्गत भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 1 फरवरी, 2024 को "शोध छात्रों हेतु अनुसंधान सुविधा प्रशिक्षण" नामक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्री अन्न अनुसंधान के क्षेत्र में अनुसंधान कर्मियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देना था। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों के पीएचडी, स्नातकोत्तर और स्नातक कुल 41 छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने भाश्रीअनुसं में विकसित नई बुनियादी सुविधाओं और नवीन अनुसंधान तकनीकों के बारे में जानने के लिए बीज

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से संबंधित भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श किया। भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने उद्घाटन भाषण के दौरान श्री अन्न अनुसंधान के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में, डॉ. एन कन्नाबाबू, प्रधान वैज्ञानिक व परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने श्री अन्न में नई अनुसंधान प्रगति एवं उत्कृष्टता पर निरंतर सीखने को प्रोत्साहन देने हेतु तैयार किए गए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

डॉ. एन कन्नबाबू ने बीज भंडारण सुविधाओं की गुणता से मूल्यांकन सहित बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की। डॉ. संगप्पा और परियोजना स्टाफ ने श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों, आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत श्री अन्न किस्मों और सर्वोत्तम कृषि कार्यों के प्रदर्शन हेतु प्रक्षेत्र दौरे का आयोजन किया। डॉ. आर वेंकटेश्वरलू और डॉ. वी एम मलाती ने विभिन्न जैव रासायनिक परीक्षण, नमूने तैयार करने के तरीके और उपकरण के बारे में जानकारी दी। डॉ. जिनु जेकब ने जैविक अनुसंधान में उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल देते हुए, जैविक तथा अजैविक तनाव प्रतिरोधी श्री अन्न की पराजीनी किस्मों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. ए श्रीनिवास ने प्रतिभागियों को नवोद्यम उज्ज्वलन (स्टार्ट-अप इग्निशन) कार्यक्रमों और उद्यमशीलता के अवसरों सहित न्यूट्रिहब की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. एन कन्नाबाबू और डॉ. संगप्पा द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया।

केरल के माननीय कृषि मंत्री का दौरा

श्री पी प्रसाद, माननीय कृषि मंत्री, केरल ने 3 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने उन्हें भाश्रीअनुसं में संचालित अनुसंधान और विकास गतिविधियों से अवगत कराया, जिसमें जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को दूर करने के लिए पोषक अनाज के रूप में श्री अन्न के सेवन के स्वास्थ्य लाभ भी शामिल थे। डॉ. बी दयाकर

राव के द्वारा माननीय कृषि मंत्री को भाश्रीअनुसं में उत्कृष्टता केंद्र तथा न्यूट्रीहब सहित सभी श्री अन्न प्रसंस्करण सुविधाएं दिखाई गईं। मंत्री ने किउसं, स्वयं सहायता समूह एवं अन्य अभिकरणों के गठन के माध्यम से बेहतर विपणन संबंधों के साथ शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में श्री अन्न आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु ज्यादा काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने किसानों के लिए बेहतर आय सुनिश्चित करने के लिए गांवों में ही प्रसंस्करण मशीनों की स्थापना का भी सुझाव दिया, जहां उत्पादित श्री अन्न को प्रक्षेत्र द्वार के समीप प्रसंस्करण कार्यक्रम के माध्यम से संसाधित किया जाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह-2024

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी, 2024 को स्प्रिंगफील्ड हाई स्कूल, राजेंद्रनगर में एक जागरूकता कार्यक्रम चलाया। इस वर्ष विज्ञान दिवस का विषय 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियां था'। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिकों ने सातवीं और आठवीं कक्षा के लगभग 50 छात्रों से विज्ञान दिवस के महत्व पर चर्चा की। चूंकि श्री अन्न हमारे देश में सबसे मूल्यवान स्वदेशी प्रौद्योगिकियों में से एक है, वैज्ञानिकों ने श्री अन्न के महत्व, श्री अन्न के प्रकार और उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को अपने दैनिक आहार में श्री अन्न शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री अन्न नमूनों को प्रदर्शित करते हुए उनके बारे में समझाया गया। संपूर्ण व्याख्यान के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक चर्चा में भाग लिया। उन्हें आस्वादन हेतु श्री अन्न नाश्ते दिए गए। डॉ. जिनु जेकब और डॉ. दीपिका सी ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

क्षेत्रीय कृषि मेला, वाराणसी में भाश्रीअनुसं की सहभागिता

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने वाराणसी में 3-4 फरवरी, 2024 को आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेले में भाग लिया। डॉ. राजेंद्र आर चापके, प्रधान वैज्ञानिक ने किसानों और यूपी व समीपस्थ राज्यों के अधिकारियों के लिए हिंदी में "बेहतर श्री अन्न उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपनाने योग्य श्री अन्न उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और चावल-परती ज्वार की सफलता के बारे में भी सविस्तार बताया। तत्पश्चात किसानों और अन्य प्रतिभागियों के साथ चर्चा सत्र आयोजित किया गया जहां उन्हें अपनी शंकाओं का समाधान मिला।

श्री अन्न स्टाल : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने क्षेत्रीय कृषि मेला, वाराणसी में श्री अन्न प्रदर्शनी स्टाल के माध्यम से संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। श्री सूर्य प्रताप शाही, माननीय कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश, डॉ. मंगला राय, भूतपूर्व महानिदेशक, भाकृअनुप, डॉ. पी एल गौतम , उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भाकृअनुप और डॉ. बेहरा, निदेशक, भाकृअनुप-आईआईवीआर, वाराणसी तथा अन्य गणमान्य लोगों ने भाश्रीअनुसं के श्री अन्न स्टाल का दौरा किया। भाश्रीअनुसं के प्रदर्शनी स्टॉल को क्षेत्रीय मेले में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार और प्रमाण पत्र मिला।

पूर्वी क्षेत्र, रांची के लिए क्षेत्रीय कृषि मेला 2024 में भाश्रीअनुसं की सहभागिता

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने भाकृअनुप-राष्ट्रीय माध्यमिक कृषि संस्थान, रांची के द्वारा 3-5 फरवरी, 2024 के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, डायनकेल, टोपरा ब्लॉक, खूंटी, झारखंड में पूर्वी क्षेत्र के लिए आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेला 2024 में भाग लिया। श्री अर्जुन मुंडा, माननीय केंद्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने 03 फरवरी , 2024 को

मेले का उद्घाटन किया। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक और डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने भाश्रीअनुसं -हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया। मेले का समापन 05 फरवरी, 2024 झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री सी पी राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

श्री अन्न स्टाल : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने मेले के दौरान आदिवासी किसानों के बीच श्री अन्न के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए श्री अन्न (मिलेट्स) प्रदर्शनी स्टाल लगाकर श्री अन्न की खेती और प्रसंस्करण हेतु विकसित प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ श्री अन्न के नमूने एवं मूल्य वर्धित उत्पादों को प्रदर्शित किया। श्री अर्जुन मुंडा, डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप, श्री सी पी राधाकृष्ण, झारखंड के राज्यपाल, डॉ. एस सी दुबे, कुलपति, बीएयू, रांची और अन्य गणमान्य लोगों ने श्री अन्न स्टाल का दौरा किया।

इस अवसर पर स्टाल की उत्कृष्ट व्यवस्था और प्रबंधन के लिए समापन समारोह के दौरान भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा स्थापित श्री अन्न स्टाल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद की ओर से डॉ. संगप्पा और डॉ. महेश कुमार ने झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री सी पी राधाकृष्णन से प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) की 68वीं बैठक 15 फरवरी, 2024 को आयोजित की गई। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, अध्यक्ष, राकास के औपचारिक स्वागत भाषण से बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में चर्चा के दौरान डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रभारी, पीएमई कक्ष और तकनीकी एवं मीडिया कक्ष, डॉ. ए कलैसेकर, प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी, डॉ. सूगण्ण, प्रभारी, पुस्तकालय, श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी - सदस्य तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) - सदस्य सचिव उपस्थित थे। बैठक के दौरान सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। डॉ. महेश कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

सम्मान

डॉ. ए वी उमाकांत, प्रधान वैज्ञानिक और प्रधान अन्वेषक (मीठी ज्वार) को भारत में जैव ईंधन उत्पादन हेतु मीठी ज्वार को लोकप्रिय बनाने में उनके अथक प्रयासों के लिए, 29 फरवरी 2024 को पुणे में "किसान कप पुरस्कार समारोह 2023" के दौरान पानी फाउंडेशन के निदेशक तथा प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता श्री आमिर खान के द्वारा सम्मानित किया गया। पानी फाउंडेशन महाराष्ट्र की शुष्क भूमि में इथेनॉल उत्पादन के लिए मीठी ज्वार को बढ़ावा देने हेतु पानी फाउंडेशन के साथ भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं समझौता ज्ञापन हुआ था।

आगंतुक

प्रशिक्षार्थी

भाकृअनुप-क्रिडा में "जलवायु लचीली खेती के लिए मौसम सूचना के अनुप्रयोग पर शीतकालीन स्कूल" के प्रशिक्षार्थियों ने 2 फरवरी 2024 को जीन संग्रह का दौरा किया और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में संरक्षित श्री अन्न आनुवंशिक विविधता का अवलोकन किया। डॉ. के वेंकटेश ने प्रशिक्षार्थियों के साथ चर्चा की तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में संचालित संरक्षण, लक्षण वर्णन और वितरण गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्हें श्री अन्न की स्थानीय भू-प्रजातियों के विभिन्न प्रकारों तथा विविधता, श्री अन्न सुधार में किसानों/स्थानीय किस्मों के संरक्षण एवं उपयोग के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें श्री अन्न के पोषण स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी बताया गया और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने के लिए श्री अन्न को अपने भोजन में शामिल करके विविधता लाने का आग्रह किया गया।

उत्तर प्रदेश से अधिकारी

उत्तर प्रदेश राज्य बीज प्रमाणन अभिकरण के सात प्रमुख अधिकारियों ने 8 फरवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के जीन संग्रह का दौरा किया। डॉ. के वेंकटेश ने अधिकारियों के साथ चर्चा की और भाश्रीअनुसं जीन संग्रह में संरक्षित श्री अन्न आनुवंशिक विविधता को दिखाया। अधिकारियों ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में जननद्रव्य प्रबंधन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की सराहना की।

डिंडौरी, मध्य प्रदेश से किसान

श्री दुर्गेश साहू, आरएईओ, श्रीमती आरती चौरसिया, आरएईओ एवं श्री एच एस अठ्या, एसएडीओ, कृषि विभाग, म.प्र. के नेतृत्व में डिंडोरी, म.प्र. के 31 किसानों के समूह ने 07 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें भाश्रीअनुसं, श्री अन्न की खेती, न्यूट्रीहब और श्री अन्न के प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी गई। इस यात्रा का संचालन और समन्वय किउसं परियोजना दल की सहायता से डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने किया।

महाराष्ट्र से किसान

श्री लक्ष्मण नकुल सरोगाडे, कृषि अधिकारी, राज्य कृषि विभाग, महाराष्ट्र के नेतृत्व में ठाणे और पालघर, महाराष्ट्र के चौदह किसानों ने 08 फरवरी, 2024 को भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न की खेती, न्यूट्रीहब और श्री अन्न के प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) के द्वारा किउसं परियोजना दल की सहायता से इस दौरे का समन्वय किया गया।

छात्र

कृषि महाविद्यालय, कलबुर्गी से बीएससी अंतिम वर्ष के छात्रों ने राष्ट्रीय शैक्षिक यात्रा पर 10 फरवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, छात्रों को श्री अन्न की खेती के विभिन्न पहलुओं को जानने का अवसर मिला। इस यात्रा का समन्वय भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के किउसं-नेस्ट दल के द्वारा किया गया।

तमिलनाडु से किसान

तमिलनाडु के सेलम और तिरुनेलवेली, विल्लुपुरम जिलों के किसानों ने 21 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य किसानों को श्री अन्न तथा शुष्क क्षेत्रों में श्री अन्न की खेती के बारे में जानकारी प्रदान करना था। किसानों को बीज बुआई से लेकर कटाई तक श्री अन्न की खेती संबंधी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रक्षेत्र गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर मिला। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के किउसं-नेस्ट दल के द्वारा इस यात्रा का समन्वय किया गया।

उत्तर प्रदेश से किसान

राष्ट्रीय असहारा सेवाश्रम परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के 35 किसानों ने श्री बच्चन चौधरी, तकनीकी सहायक, कृषि विभाग के नेतृत्व में श्री अन्न संबंधी ज्ञावर्धन यात्रा के अंतर्गत 22 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न की खेती, विभिन्न प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता, श्री अन्न मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण मशीनों के बारे में जानकारी दी गई। इस यात्रा का संचालन और समन्वय डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने किया।

यूएएस, धारवाड़ से छात्र

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक के 62 छात्रों ने डॉ. प्रेमा पाटील के नेतृत्व में 27 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें भाश्रीअनुसं अनुसंधान गतिविधियों, श्री अन्न के प्रकार, न्यूट्रिहब और श्री अन्न के प्राथमिक एवं माध्यमिक प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी गई। इस यात्रा का संचालन और समन्वय डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने किया।

मध्य प्रदेश से कृषि अधिकारी

श्री एन डी गुप्ता और श्री के डेहरिया, उप निदेशक (कृषि), अंजपुर और उमरिया ने श्री अन्न कृषि प्रौद्योगिकी और मूल्यवर्धन के संबंध में तकनीकी ज्ञानवर्धन हेतु 27 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न की खेती, न्यूट्रीहब सुविधाओं, प्राथमिक व माध्यमिक प्रसंस्करण और श्री अन्न मूल्यवर्धन के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरे का संचालन एवं समन्वय डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने किया।

मध्य प्रदेश से किसान

मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले से 35 किसानों के समूह ने 23 फरवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न खेतों का दौरा कराया गया, जहां प्रमुख और लघु श्री अन्न के कृषि कार्यों के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। डॉ. संगप्पा, डॉ. महेश और किउसं नेस्ट दल ने इस यात्रा का समन्वय किया।

कर्नाटक से छात्र

बीजापुर, कर्नाटक के 85 पशु चिकित्सा छात्रों के एक समूह ने शैक्षिक दौरे के एक भाग के रूप में 27 फरवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न के महत्व, बदलती जलवायु के प्रभाव को कम करने में श्री अन्न की भूमिका, श्री अन्न की खेती के तरीकों तथा नवीनतम श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया गया। छात्रों को श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण मशीनों का कार्य संचालन भी दिखाया गया। किउसं नेस्ट दल ने इस दौरे का समन्वय किया।

के एल विश्वविद्यालय, हैदराबाद से छात्र

के एल विश्वविद्यालय, हैदराबाद के 37 छात्रों ने डॉ. जी शिवकांत के नेतृत्व में 28 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया । उन्हें श्री अन्न की खेती, न्यूट्रीहब और श्री अन्न के प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण एवं श्री अन्न के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरे का संचालन व समन्वय डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने किया।

इंजीनियरिंग कॉलेज से छात्र

गोकाराजू रंगराजू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद से लगभग 30 अभियांत्रिकी छात्रों ने उद्यमशीलता अवसर संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु 28 फरवरी, 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। छात्रों को श्री अन्न के खेतों तथा श्री अन्न की खेती के तरीकों के बारे में बताया गया। उन्होंने प्रसंस्करण इकाइयों का भी दौरा किया। किउसं नेस्ट दल ने इस दौरे का समन्वय किया।

किउसं समाचार

ऑनलाइन सहयोगात्मक प्रशिक्षण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और मैनेज, हैदराबाद ने संयुक्त रूप से 5 - 12 फरवरी, 2024 दौरान बाजार संचालित श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर केंद्रित आभासी कार्यशालाओं की एक शृंखला का आयोजन किया। प्रतिभागियों में कृषि विभाग, गैर सरकारी संगठन, किउसं के अधिकारी, किसान, छात्र और विस्तार पेशेवर शामिल थे। । वेबिनार की शृंखला ने प्रतिभागियों को श्री अन्न संबंधी प्रक्रियाओं के बारे में गहन ज्ञान प्राप्त करने और क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने में सहायता की और इसके अलावा विभिन्न हितधारकों के साथ संपर्क स्थापित करने, श्री अन्न मूल्य शृंखला के भीतर सहयोग और समनन्वय को बढ़ावा देने में मदद की। डॉ. संगप्पा इस पाठ्यक्रम के समन्वयक थे।

निःशुल्क श्री अन्न नमूना किट वितरण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के किउसं-नेस्ट दल ने 1 फरवरी 2024 को श्री अन्न के लाभ, पोषण मूल्य और श्री अन्न की खेती प्रबंधन कार्यों के बारे में जागरूकता लाने के लिए तमिलनाडु एवं पंजाब के राज्य कृषि अधिकारियों और सीएफए प्रतिभागियों को निःशुल्क श्री अन्न नमूना किट और श्री अन्न-आधारित साहित्य वितरित करते हुए श्री अन्न को बढ़ावा प्रदान किया। दल ने प्रगतिशील किसानों के साथ परस्पर चर्चा सत्र तथा कार्यशालाएं भी आयोजित की। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने कार्यक्रम

का समन्वय किया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, सीबीबीओ विशेषज्ञों के द्वारा कर्नाटक किउसं का दौरा

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के किउसं-नेस्ट के श्री अब्बुसेठ और श्री कैलाशनाथ (सीबीबीओ विशेषज्ञ) ने 2 फरवरी 2024 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित बीदर और कलबुर्गी जिले के चितगुप्पा, अमृतवाहिनी, हुलसूर, ग्राम विश्वास, अलंद भूतई और जेवर्गी तालुका श्री अन्न किउसं का दौरा किया।

किउसं को नैबकिसान से क्रेडिट लिंकेज

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित किउसं, विशाखा मिलेट्स एफपीसीएल, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश को विजयवाड़ा में 5 फरवरी, 2024 को नैबकिसान से ₹ 15 लाख रुपये का क्रेडिट लिंकेज प्राप्त हुआ। यह क्रेडिट लिंकेज किउसं को अपने श्री अन्न माध्यमिक प्रसंस्करण इकाई सुविधाओं का विस्तार करने और बेहतर अद्वितीय ब्रांडिंग के साथ बाजारों को लक्षित करने में सहायता करता है।

सीबीबीओ विशेषज्ञों के द्वारा सभी कर्नाटक किउसं का दौरा

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के सीबीबीओ विशेषज्ञों - श्री कैलाशनाथ तथा श्री अब्बुसेठ ने 5 - 7 फरवरी, 2024 के दौरान श्री अन्न क्षेत्रों की समीक्षा, श्री अन्न फसलों के विकास की निगरानी और किउसं की प्रगति के निरीक्षण हेतु कर्नाटक में एसएफएसी किउसं का दौरा किया।

बसवा उत्सव प्रदर्शनी में भाश्रीअनुसं

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 10 फरवरी 2024 को क्षेत्रीय कायाका बसव उत्सव में श्री अन्न किउसं प्रदर्शनी स्टाल में भाग लिया और समन्वय किया। कार्यक्रम के भाग के रूप में, डॉ. संगप्पा ने श्री अन्न मूल्य शृंखला की स्थापना में किउसं की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया।

जय जवान किसान श्री अन्न आउटलेट

जवानों तथा किसानों को जोड़ने के लिए डॉ. पी चंद्र शेखर, महानिदेशक, मैनेज, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं से संगप्पा, वैज्ञानिक एवं किउसं-नेस्ट दल के द्वारा 14 फरवरी, 2024 को "जय जवान किसान फार्म 2 किचन" पहल का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों और जवानों के बीच एक सहजीवी बंधन निर्माण, पोषण सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक मजबूत नेटवर्क को बढ़ावा देना है।

पीजेटीएसएयू में श्री अन्न स्टॉल

तेलंगाना राज्य सरकार और पीजेटीएसएयू के द्वारा 16 - 18 फरवरी 2024 के दौरान पीजेटीएसएयू, हैदराबाद में कृषि प्रौद्योगिकी और नवाचार पर चौथी प्रदर्शनी एवं सम्मेलन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की किउसं -नेस्ट इकाई ने स्टाल लगाया और श्री अन्न तथा श्री अन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया एवं श्री अन्न के पोषण संबंधी स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता का प्रसार किया।

सहयोगात्मक वेबिनार

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से 23 फरवरी से 1 मार्च 2024 तक ऑनलाइन कार्यशालाओं की एक शृंखला आयोजित की, जिसमें श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों, श्री अन्न मूल्य वर्धन, श्री अन्न मूल्य शृंखला तथा किउसं को बढ़ावा देने में सहायता हेतु सरकारी पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया। वेबिनार ने श्री अन्न के संबंध में ज्ञानवर्धन हेतु कृषि अधिकारियों, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, प्रोफेसरों, विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों, किसानों, किउसं और गैर सरकारी संगठनों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों को आकर्षित किया। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने किउसं-नेस्ट दल की सहायता से उक्त वेबिनार का समन्वय किया।

निर्यातक, क्रेता व विक्रेता सम्मेलन 2024

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के किउसं नेस्ट दल ने 27 फरवरी 2024 को बागवानी विभाग, कोप्पल और केएपीपीईसी, बैंगलोर द्वारा कोप्पल में आयोजित निर्यातक, क्रेता व विक्रेता सम्मेलन-2024 में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, तत्काल लेनदेन की सुविधा और उत्पादकों और खरीदारों के बीच लाभकारी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए खरीदारों और किउसं के बीच समझौते किए गए।

डीडीएम का तेलंगाना किउसं दौरा

श्री शनमुख चारी, नाबार्ड डीडीएम (महबूबनगर) और डॉ. रफी (किउसं-नेस्ट, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद) ने 28 - 29 फरवरी, 2024 के दौरान नाबार्ड द्वारा समर्थित तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित महबूबनगर जिले में बालानगर, देवरकाद्र, पालमुरु, दुदुंबी एफपीसीएल - किउसं की निगरानी की।

समझौता ज्ञापन

सं.प्रौ.प्र.ए., भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के माध्यम से फरवरी, 2024 के दौरान भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में निम्नलिखित करार ज्ञापन/समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। भाश्रीअनुसं की ओर से भाश्रीअनुसं के निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। करार ज्ञापन/समझौते के विवरण निम्नानुसार है :

करार तिथि	दूसरा दल/लाइसेंसधारी	करार/समझौते का प्रयोजन	दूसरे दल के हस्ताक्षरकर्ता	साक्ष्य
09 फरवरी, 2024	कृषि विकास सहकारी समिति, राजस्थान	सीएसएच 24 एमएफ हेतु लाइसेंस	श्री हीरालाल शर्मा	डॉ. वेंकटेश भट्ट और डॉ. जे. स्टेनली
13 फरवरी, 2024	बीएआईएफ डेवलपमेंट रिसर्च फाउंडेशन, पुणे	सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास पहल को बढ़ावा देना	डॉ. शिव रुद्रप्पा	डॉ. संगप्पा और डॉ. अमसिद्ध
19 फरवरी, 2024	एटीएस जीन टेक प्राइवेट लिमिटेड	4के एसएनपी पैनल का लाइसेंस	श्री श्रीनिवास उडुमुडी, सीईओ	डॉ. टी नेपोलियन और डॉ. जे स्टेनली
23 फरवरी, 2024	सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून	सहयोगात्मक अनुसंधान	डॉ. अतुल रंजन	डॉ. ए वी उमाकांत और डॉ. जे स्टेनली

प्रत्यक्ष तथा आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं.	सहभागी	कार्यक्रम विवरण	प्रकार	आयोजक	तिथि
1	वी रवि कुमार	"मौसम आधारित फसल प्रबंधन के लिए बृहत डेटा विश्लेषण" पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	प्र	क्रिडा, हैदराबाद	29 जनवरी - 7 फरवरी, 2024
2	सी तारा सत्यवती	नवाचार और तकनीकी हस्तक्षेप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सन्मंत्रणा' : उभरती चुनौतियां में सहभागिता तथा बीज व्याख्यान	स	श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर	02 फरवरी, 2024
3	सी तारा सत्यवती	प्रमाणित श्री अन्न सलाहकार कार्यक्रम-मॉड्यूल-II के समापन समारोह में मुख्य अतिथि	बै	मैनेज, हैदराबाद	05 फरवरी, 2024
4	सी तारा सत्यवती	"ग्राहक राज्यों के प्रशिक्षण की आवश्यकता का आकलन" पर क्षेत्रीय कार्यशाला	बै	विस्तार शिक्षा संस्थान, हैदराबाद	05 फरवरी, 2024
5	सी तारा सत्यवती	वित्त वर्ष 2024 से भारत और जापान के बीच श्री अन्न पर अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त अनुसंधान परियोजना पर आभासी बैठक	बै	भाकृअनुप, नई दिल्ली	07 फरवरी, 2024
6	सी तारा सत्यवती	वैश्विक स्तर पर "प्राचीन अनाज : श्री अन्न को पुनर्जीवित करना" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जलवायु लचीलेपन और पोषण सुरक्षा हेतु श्री अन्न - एक सतत दृष्टिकोण पर आभासी बीज व्याख्यान	स	बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट, भाकृअनुप-कृषि विज्ञान केंद्र, कोलार	08 फरवरी, 2024
7	सी तारा सत्यवती	"आहार का विविधीकरण: आईसीडीएस, मध्याह्न भोजन योजना और शहरी कैंटीन के आहार सूची में श्री अन्न को शामिल करने का महत्व" पर एक दिवसीय कार्यशाला - तेलंगाना और कर्नाटक के चुनिंदा मेट्रो शहरों का एक अध्ययन और "भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा पर चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य" पर पैनल चर्चा के दौरान पैनलिस्ट	का	हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद	16 फरवरी, 2024
8	सी तारा सत्यवती	"जीएम फसलें और जीनोम संपादन - सतत कृषि विकास के लिए कृषि जैव विविधता के उपयोग को बढ़ावा देना" विषय पर पादप आनुवंशिकी और जीनोमिक्स पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय पादप सम्मेलन तथा "श्री अन्न में आनुवंशिक सुधार" पर बीज व्याख्यान और पोषण एवं जलवायु लचीलेपन हेतु श्री अन्न का आनुवंशिक सुधार पर एक सत्र की अध्यक्षता	स	ग्लोस्टेम प्रा. लिमिटेड, चंडीगढ़	17 फरवरी, 2024
9	सी तारा सत्यवती	"स्थायी कृषि और पर्यावरण के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकियां" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन	बै	भाकृअनुप- क्रिडा, हैदराबाद	22 फरवरी, 2024
10	सी तारा सत्यवती	निदेशकों एवं कुलपतियों का सम्मेलन	स	भाकृअनुप, नई दिल्ली	26-27 फरवरी, 2024

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव,
डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रुपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक,
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

ज्वार तथा श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053 दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर,
राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in